Fourteenth Loksabha

Session : 7
Date : 11-03-2006
Participants : Mahajan Smt. Sumitra,Moghe Shri Krishna Murari,Khandelwal Shri Vijay Kumar,Jatiya Dr. Satyanarayan,Darbar Shri Chhatarsingh

an>

Title : Need to provide Special Economic Package to Madhya Pradesh because of crop damages due to heavy rain and hailstorm.

श्रीमती सुमित्रा महाजन (इन्दौर) : माननीय अध्यक्ष जी, मध्य प्रदेश वैसे तो पिछड़ा हुआ है ही, लेकिन साथ cÉÒ ºÉÉlÉ ´ÉcÉÆ ºÉ£ÉÉÒ iÉ®{ÉE ¤ÉäàÉÉèºÉàÉ ¤É®ºÉÉiÉ cÉä ®cÉÒ cè*[i2] लेकिन विशेा तौर से मध्य प्रदेश में तो इस बार बारिश और ओलों ने तो जैसे कहर बरपाया है। मध्य प्रदेश का पूरा महाकौशल क्षेत्र बुरी तरीके से क्षतिग्रस्त हो गया है। कई जगह खेतों में कटी पड़ी फसल पूरी तरह से बर्बाद हो गयी है। कई जगह लहलहाती फसल आड़ी हो गयी है। फलदार वृक्ष ओलावृटि से जल गए हैं। अनुमान लगाया जाए तो छिंदवाड़ा, कटनी, जबलपुर, महाकौशल और मालवा का एरिया इससे प्रभावित हुआ है। सम्पूर्ण मध्य प्रदेश में करीब एक हजार करोड़ रूप्ये से भी ज्यादा का नुकसान हुआ है। 29 इंसानों की मौत रिकार्ड की गयी है। कई जगह पूरे के पूरे परिवार तबाह हो गए हैं। हमारे युवा मुख्यमंत्री गांव-गांव के दौरे पर जा रहे हैं। राज्य सरकार अपनी तरफ से छोटे किसानों को दो हजार रूपये हेक्टेयर और बड़े किसानों को 12 हजार रूपये की लिमिट बांधकर मदद कर रही है। जिनके फलदार वृक्ष खत्म हो गए हैं, पहले उन्हें दो सौ रूपये दिए जाते थे, लेकिन मध्य प्रदेश सरकार ने इसको बढ़ाकर ढाई सौ रूपये कर दिया है। अपनी तरफ से मध्य प्रदेश सरकार प्रयास कर रही है, लेकिन जैसा मैंने पहले ही कहा कि मध्य प्रदेश एक गरीब प्रदेश है। मेरा निवेदन है कि केन्द्र सरकार राज्य सरकार को पूरी की पूरी मदद करे और विशेा राहत राज्य सरकार को मिलनी चाहिए।...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: All right, the issue was raised.

...(व्यवधान)

श्रीमती सुमित्रा महाजन : महोदय, कर्ज की वसूली, जिसे अभी डिक्लेयर किया गया है, उसमें दो प्रतिशत की छूट वगैरह नहीं, उसको पूरे तरीके से रोक सकते हैं तो उसे रोक दिया जाए और पीड़ित परिवारों को मुआवजे के लिए एक विशेा राहत राशि केन्द्र से एक विशेा पैकेज के तहत मध्य प्रदेश सरकार को दी जाए। मेरा निवेदन है कि सरकार इस पर सहानुभूतिपूर्वक विचार करे।

MR. SPEAKER: Now Shri Krishna Murari Moghe will associate with this. Please associate.

श्री कृणा मुरारी मोघे (खरगौन) : महोदय, इसमें विशेा बातें छूट गयी हैं, मैं केवल वही बताना चाहता हूं।...(व्यवधान)

SHRI VIJAY KUMAR KHANDELWAL (BETUL): Sir, I associate with this matter.

अध्यक्ष महोदय : कल भी उठाया था और आज भी उठा रहे हैं।

...(व्यवधान)

श्री विजय कुमार खंडेलवाल : महोदय, यह रोज़ बढ़ता जा रहा है।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : ठीक है, लेकिन आप एक-एक करके बोलिए।

श्री कृणा मुरारी मोघे : महोदय, मैं केवल विशेा बातों को ही उठाना चाहता हूं। वहां जिस प्रकार का नुकसान हुआ है, उसको देखते हुए केन्द्र को एक अध्ययन दल भेजना चाहिए। कर्ज वसूली को रोककर के ब्याज को माफ किया जाना चाहिए। वहां 70 लोग मारे जा चुके हैं और एक हजार से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। ऐसा वीभत्स दृश्य वहां है, इसलिए मेरा निवेदन है कि केन्द्र सरकार को अध्ययन दल भेजना चाहिए और केन्द्रीय राहत कोा से तुरन्त राहत मिलनी चाहिए।

महोदय, यह मामला पहले भी उठाया गया था, लेकिन सरकार की तरफ से कोई घोाणा नहीं हुई है। मैं आपके माध्यम से मांग करता हूं कि इसकी तुरन्त घोाणा की जाए।

MR. SPEAKER: Now Shri Vijay Kumar Khandelwal.

... (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: I have called Shri Vijay Kumar Khandelwal and not Prof. Vijay Kumar Malhotra. Do you want to monopolize all Vijay Kumars here?

SHRI VIJAY KUMAR KHANDELWAL : All are for victories.

अध्यक्ष महोदय, मेरे संसदीय क्षेत्र बेतूल में हालात और गम्भीर हो गए हैं। वहां कई लोगों की जान चली गयी है, फसलें बर्बाद हो गयी हैं। किसान की माली हालत खराब हो गयी है। मैं संक्षेप में कहना चाहता हूं कि केन्द्रीय आपदा कोा से राहत मिलनी चाहिए और वहां केन्द्रीय दल जाना चाहिए।

श्रीमती सुमित्रा महाजन : अध्यक्ष महोदय, संसदीय कार्य मंत्री को बोलना चाहिए कि वे मंत्री जी से बात करेंगे। हमें थोड़ा रिस्पॉन्स मिल जाए क्योंकि वास्तव में इतना नुकसान हुआ है।...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: They are here. Responsible Ministers are here. They have listened to you. For every matter, they cannot respond in this Hour. यह सही नहीं है।

… (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: I have allowed three hon. Members.

Shri Sita Ram Singh—Not present.

श्रीमती सुमित्रा महाजन : महोदय, हमें कुछ तो रिस्पॉन्स मिलना चाहिए। हम केन्द्र सरकार से मदद चाहते हैं कि सरकार अपनी तरफ से बात करे।…(व्यवधान)

डॉ. सत्यनारायण जटिया (उज्जैन) : इतना बड़ा संकट आया है। सरकार की तरफ से कुछ उत्तर आना चाहिए।…(व्यवधान)

श्री छत्तर सिंह दरबार (धार) : अध्यक्ष महोदय, मैं अपने को इस विाय से संबद्ध करता हूं।

MR. SPEAKER: The very fact that it has been allowed to be raised in the House shows its importance, and I am sure the concerned Ministers will take notice of this.

Now Shri B. Mahtab.